Resource: बाइबल कोश (टिंडेल)

Aquifer Open Bible Dictionary

This work is an adaptation of Tyndale Open Bible Dictionary © 2023 Tyndale House Publishers, licensed under the CC BY-SA 4.0 license. The adaptation, Aquifer Open Bible Dictionary, was created by Mission Mutual and is also licensed under CC BY-SA 4.0.

This resource has been adapted into multiple languages, including English, Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文).

बाइबल कोश (टिंडेल)

ठ

ठीक है, ठीकरा, ठीकरा फाटक, ठूँठ, ठेस लगाना, अपराध, ठोकर

ठीक है

मनुष्य-निर्मित जलाशय जो या तो भूमिगत स्रोतो से या वर्षा जल से भरा होता है। क्योंकि बाइबिल में वर्णित दुनिया के अधिकांश भाग शुष्क से लेकर अर्ध-शुष्क स्थल तक है, इसलिए कुएं मनुष्यों, पशुओं और फसलों की सिंचाई के लिए जल का महत्वपूर्ण स्रोत थे। दुर्भाग्यवश, अधिकांश कुएँ जल का विश्वसनीय स्रोत नहीं थे, क्योंकि वे दुर्लभ वर्षा या अस्थायी स्रोत पर निर्भर थे (नीति 25:26)। इसलिए जल के विश्वसनीय स्रोत की खोज बहुत हर्ष का कारण होती थी (गिनती 21:17–18) और अक्सर संघर्ष का कारण बनती थी (उत्पत्ति 21:25–30; 26:19–22; 2 राजा 3:19)। सफलतापूर्वक कुआं खोदना और अपने जल अधिकारों की रक्षा करना अक्सर संपत्ति के अधिकारों के महत्वपूर्ण निर्धारक के रूप में कार्य करता था। (उत्पत्ति 21:25–30; 29:2–3)।

उत्तम कुएं आमतौर पर परमेश्वर की कृपा के संकेत माने जाते थे (उत्पत्ति 16:14; 21:19; गिनती 21:16–18)। इसलिए बाइबिल के लेखक, स्रोतो से भरे कुओं के जल की तुलना परमेश्वर द्वारा उनके लोगों के लिए उद्धार की व्यवस्था से करते थे (यशायाह 12:3; यूहन्ना 4:14)। वर्षा के जल को इकट्ठा करने वाले कुओं में जल की अपेक्षाकृत खराब गुणवत्ता और “जीवित” (अर्थात बहते हुए) जल के झरनों से भरने वाले कुओं के जल की उच्च गुणवत्ता के बीच का अंतर यीशु और सामरी स्त्री के बीच हुए संवाद को स्पष्ट करने में मदद करता है जब यीशु ने उसे “जीवित जल” दिया था (यूहन्ना 4:10–15)।

यह भी देखें जलाशय; याकूब का कुआं.

ठीकरा

ठीकरा

टूटे हुए मिट्टी के बर्तन का टुकड़ा पुराने नियम में गर्म कोयले ले जाने या पानी निकालने के लिए उपयोग किया जाता था। मिट्टी के टुकड़ों (ठीकरों) का उपयोग भण्डार पात्रों या खाना पकाने के बर्तन के ढक्कन के रूप में भी किया जाता था, लिखित संचार के माध्यम के रूप में, या जलरोधी यौगिकों में किरकिरी जोड़ने के लिए भी किया जाता था। इन ठीकरों का प्रतीकात्मक महत्व भजन संहिता 22:15, यशायाह 30:14, 45:9 और यहेजकेल 23:34 में स्पष्ट है।

यह भी देखें मिट्टी के बर्तन; लेखन (मिट्टी के टुकड़े)।

ठीकरा फाटक

बँधुआई से पहले यरूशलेम की शहरपनाह के दक्षिण भाग में एक फाटक था। यह हिन्नोम की तराई और कुम्हार के खेत की ओर जाता था। कुम्हार वहाँ पर टूटे हुए बर्तन फेंक सकते थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। केजेवी (इब्री शब्द का सम्बन्ध सूर्य से जोड़ते हुए) इसे "पूर्व फाटक" के रूप में प्रस्तुत करता है (यिर्म 19:2)।

यह भी देखें यरूशलेम।

ठूँठ

ठूँठ*

यशायाह 6:13 में बांज वृक्ष का के.जे.वी. अनुवाद।

देखें पेड़ (तेरेबिन्थ)।

ठेस लगाना, अपराध

बाइबल में "ठेस लगाना" और "अपराध" शब्दों का दो मुख्य तरीकों से उपयोग किया गया है:

1. खुद कुछ गलत करना
2. किसी और को गलत करने के लिए प्रेरित करना या किसी और को अपने विश्वास में गलती करने के लिए प्रेरित करना

ठेस लगाना

पुराने नियम के इब्रानी और नए नियम के यूनानी में, पाप या अपराध कार्य के लिए कई शब्द हैं। जब हम "ठेस लगाना" या

ठेस लगाना, अपराध

"अपराध" शब्दों का उपयोग करते हैं, तो हम किसी व्यक्ति या व्यवस्था के विरुद्ध पाप पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, जिसका अर्थ है कि यह या तो परमेश्वर या लोगों के विरुद्ध एक अपराध है।

पाप मुख्य रूप से परमेश्वर के विरुद्ध एक अपराध है। उदाहरण के लिए, एदोम के लोगों ने यहूदा से बदला लेकर परमेश्वर का अपमान किया, इसलिए परमेश्वर ने उनका न्याय किया (यहेजकेल 25:12–13)। इस्राएल ने बाल की उपासना करके परमेश्वर का अपमान किया (होशे 13:1)। परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन करना एक अपराध कहलाता है (व्यवस्थाविवरण 19:15; तुलना करें 22:26; 25:2)। नए नियम में, याकूब परमेश्वर और परमेश्वर की व्यवस्था के विरुद्ध अपराधों के बारे में बात करते हैं (याकूब 2:10; 3:2)।

बाइबल लोगों के बीच अपराधों के बारे में भी बात करता है। उदाहरण के लिए, अब्राहम ने अबीमेलेक के ऊपर ऐसा बड़ा पाप डाल दिया (उत्पत्ति 20:9)। फिरौन के प्रधान पिलानेहारे और पकानेहारे ने अपने स्वामी के विरुद्ध कुछ अपराध किया (उत्पत्ति 40:1)। कभी-कभी, अपराध केवल आरोपित होता है, और कोई वास्तविक गलत नहीं किया गया था (उदाहरण के लिए, उत्पत्ति 31:36; 2 राजा 18:14; यिर्मयाह 37:18)। पौलुस, रोमी राज्यपाल फेस्तुस के सामने अपनी रक्षा करते हुए, बोले, “मैंने न तो यहूदियों की व्यवस्था के और न मन्दिर के, और न कैसर के विरुद्ध कोई अपराध किया है” (प्रेरितों के काम 25:8)।

बाइबल यह भी सिखाती है कि परमेश्वर और लोगों के विरुद्ध वास्तविक अपराधों को कैसे सम्भालना चाहिए। अपराधों को अभिस्वीकृत और स्वीकार करना चाहिए (होशे 5:15)। परमेश्वर के सामने उचित समाधान है, “अब मैं भविष्य में बुराई न करूँगा” (अय्यूब 34:31)। हमें अपराधों के लिए सुधार करना चाहिए और दूसरों के अपराधों को क्षमा करना चाहिए (सभोपदेशक 10:4; नीतिवचन 17:9; 19:11)। यीशु मसीह हमारे अपराधों के लिए मरे (रोमियों 4:25; 5:15–21)। यीशु की ओर मुड़ने से सभी पापों के लिए क्षमा है।

दूसरों को पाप में डालना

शब्द "अपराध" और "पाप में गिराना" का अर्थ किसी और को ठोकर खिलाना या गलत करने के लिए प्रेरित करना भी होता है। यह तीन तरीकों से हो सकता है:

1. **व्यक्तिगत कारण**: किसी व्यक्ति के भीतर कुछ ऐसा हो सकता है जो उन्हें ठोकर खाने का कारण बनता है। यीशु ने इसकी गम्भीरता पर जोर दिया और इसे रोकने के लिए अत्यधिक उपाय करने का सुझाव दिया (मत्ती 5:29–30; 18:8–9)।
2. **दूसरों को ठोकर खिलाना**: किसी व्यक्ति के कार्यों में कुछ ऐसा हो सकता है जो दूसरों को ठोकर लगाता है। यीशु ने चेतावनी दी, "ठोकरों के कारण संसार पर हाय! ठोकरों का लगना अवश्य है; पर हाय उस मनुष्य पर जिसके द्वारा ठोकर लगती है!" (मत्ती 18:7)। नया नियम सिखाता है कि हमें इस प्रकार जीना चाहिए कि हम एक दूसरे पर दोष न लगाएँ (रोमियों 14:13)। प्रेरित पौलुस कहते हैं, "भोजन के लिये परमेश्वर का काम न बिगाड़; सब कुछ शुद्ध तो है, परन्तु उस मनुष्य के लिये बुरा है, जिसको उसके भोजन करने से ठोकर लगती है। भला तो यह है, कि न माँस खाए, और न दाखरस पीए, न और कुछ ऐसा करे, जिससे तेरा भाई ठोकर खाए" (रोमियों 14:20–21; तुलना करें 1 कुरिन्थियों 10:32; 2 कुरिन्थियों 6:3)।
3. **सत्य से ठेस पहुँचना**: लोग सत्य से प्रभावित हो सकते हैं, भले ही प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति दोषी न हो। यशायाह ने परमेश्वर का वर्णन इस प्रकार किया है “ठोकर का पत्थर और ठेस की चट्टान” (यशायाह 8:14) क्योंकि लोग हमेशा उनकी मांगों और उनमें विश्वास के मार्ग को स्वीकार नहीं करेंगे। नया नियम इन शब्दों को मसीह के सुसमाचार की आपत्ति के लिए लागू करता है (रोमियों 9:32–33; 1 पतरस 2:8)। अपने सेवाकाल के दौरान, लोग यीशु से प्रभावित हुए—उनके विनम्र जन्म से (मत्ती 13:57), जो उन्होंने कहा और किया उससे (मत्ती 15:12), या उनका अनुसरण करने की कीमत के कारण (मत्ती 13:21)। यहाँ तक कि कुछ चेले भी कुड़कुड़ाते हुए और दूर चले गए (यूहन्ना 6:61)। अन्ततः, सभी अप्रसन्न हुए और उनसे विमुख हो गए (मत्ती 26:31, 56)। पौलुस ने मसीह के क्रूस के प्रचार में आपत्ति की बात की। वह एक ऐसा संदेश प्रचार करके उत्पीड़न से बच सकते थे जिससे किसी को ठेस न पहुँचे (गलातियों 5:11)। उन्होंने क्रूस का प्रचार करना चुना, भले ही यह यहूदियों के लिए ठोकर का कारण और अन्यजातियों के लिए मूर्खता था (1 कुरिन्थियों 1:23)।

यह भी देखें पाप।

ठोकर

किसी भी वस्तु को संदर्भित करने के लिए शाब्दिक और रूपक रूप से उपयोग किया जाने वाला शब्द जो किसी को ठोकर खिला सकता है।

यह वाक्यांश लैव्यव्यवस्था 19:14 में शाब्दिक रूप से उपयोग किया गया है, जहाँ इस्राएल के लोगों को चेतावनी दी जाती है कि वे "अंधों के सामने ठोकर का पत्थर न रखें," बल्कि "प्रभु अपने परमेश्वर का भय मानें।" एक अलग रूपक उपयोग यिर्मयाह 6:21 में होता है, जहाँ परमेश्वर वादा करते हैं कि यदि इस्राएल के लोग उनकी चेतावनियों पर ध्यान नहीं देते, तो वे उनके सामने ठोकर का पत्थर रखेंगे।

हालांकि, सबसे आम पुराना नियम उपयोग यहेजकेल में मिलता है, जहाँ इस वाक्यांश का उपयोग मूर्तियों और मूर्तिपूजा का उल्लेख करने के लिए किया जाता है: "हे मनुष्य के सन्तान, इन पुरुषों ने तो अपनी मूरतें अपने मन में स्थापित की, और अपने अधर्म की ठोकर अपने सामने रखी है; फिर क्या वे मुझसे कुछ भी पूछने पाएँगे?" (यहेज 14:3; साथ ही 7:19; 44:12)।

नय नियम में यह शब्द मूल रूप से अपने इब्रानी अर्थ को बनाए रखता है। फिर भी, इस वाक्यांश का उपयोग रूपक रूप में किया जाता है ताकि यह बताया जा सके कि कई यहूदियों को यीशु को परमेश्वर का पुत्र मानने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा: "परन्तु हम तो उस क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह का प्रचार करते हैं जो यहूदियों के निकट ठोकर का कारण, और अन्यजातियों के निकट मूर्खता है" (1 कुरि 1:23; देखें रोम 9:31–32 भी)। रोमियों 11:11–12 में, पौलुस कहते हैं कि यह प्रतिरोध वास्तव में परमेश्वर की योजना का हिस्सा है ताकि वह अपने धन को संसार में फैला सकें। अन्त में, 1 कुरिन्थियों 8:9 "ठोकर का कारण" का उपयोग कुछ प्रथाओं के बारे में बात करने के लिए करता है जो स्वयं में उपयुक्त हो सकती हैं लेकिन जिनका अनपेक्षित प्रभाव एक कमजोर भाई को ठेस पहुँचाने का हो सकता है (देखें रोम 14:13 भी)।